हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, गुरुवार 8 जनवरी 2026

तापमान
अधिकतम 17 .4 डिग्री
न्यूनतम 4 .0 डिग्री

11 जानलेवा जल : जो कपड़े धोने लायक ही नहीं, प्रेम नगर ...

12 भिवानी सब ब्रांच 45 साल बाद होगी फिर पक्की ...

खबर संक्षेप

कमाई का झांसा देकर 8.54 लाख की ठगी

रोहतक। घर बैठे रुपये कमाने का झांसा देकर 8 लाख 54 हजार 625 रुपये की ठगी करने के मामले में रोहतक पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। साइबर थाना पुलिस ने इस संगठित ठगी गिरोह में शामिल एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी को अदालत में पेश कर दिया गया है, जबकि मामले की गहनता से जांच जारी है और गिरोह से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

गुरुद्वारा सोमा शाह में कीर्तन समागम 11 को

रोहतक। सर्वंश दानी एवं सिख पंथ के दशम गुरु, श्री गुरु गोबिंद सिंह के प्रकाश पर्व को समर्पित कीर्तन समागम का आयोजन स्थानीय डीएलएफ कॉलोनी स्थित गुरुद्वारा बाबा सोमा शाह में रविवार, 11 जनवरी को किया जाएगा। हेड ग्रंथी भाई गुरजीत सिंह ने बताया कि इस कीर्तन समागम में हजूरी रागी बीबा मनजोत कौर और भाई हरनाम सिंह (दिल्ली वाले) शब्द कीर्तन कर संगत को निहाल करेंगे। ये कार्यक्रम सुबह 11.00 से दोपहर 1.30 बजे तक चलेगा तथा समाप्ति उपरांत गुरु का लंगर अटूट बरताया जाएगा।

एमडीयू में सीडीएस के लिए कोचिंग 1 फरवरी से

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर कंपीटीटिव एग्जामिनेशन द्वारा सीडीएस (प्रथम) परीक्षा 2026 की तैयारी के लिए कोचिंग कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम 1 फरवरी से 30 मार्च 2026 तक ऑफलाइन मोड में संचालित होगा। यूसीसीई निदेशक प्रो. जेएस हुड्डा ने बताया कि इस कोचिंग में एमडीयू एवं उससे संबद्ध महाविद्यालयों के नियमित व पूर्व छात्र तथा अन्य विश्वविद्यालयों के छात्र भी भाग ले सकेंगे। पंजीकरण 15 से 30 जनवरी 2026 तक किया जाएगा।

डीजल ऑटो सीएनजी में तबदील करवाने के निर्देश

रोहतक। क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण के सचिव वीरेंद्र सिंह ढुल की अध्यक्षता में कार्यालय में डीजल ऑटो प्रधानों की बैठक आयोजित की गई। इसमें दिशा-निर्देश दिए गए कि वे सभी डीजल की ऑटो को अतिशीघ्र सीएनजी या इलेक्ट्रिक वाहन में तबदील करवाएं। जिला प्रशासन द्वारा शहर में पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिगत सभी डीजल ऑटो को सीएनजी या इलेक्ट्रिक में बदलने का निर्णय लिया गया है। बैठक में उपस्थित डीजल ऑटो प्रधानों ने आश्वासन दिया कि वे जल्दी ही सभी डीजल ऑटो को सीएनजी या इलेक्ट्रिक वाहन में बदलवा लेंगे। इस मौके पर कार्यक्रम में शामिल 135 वाहन चालकों की आंखों की जांच करवाई गई।

सांसों पर संकट: साल में 35-40 दिन ही मिलती है स्वच्छ हवा, पीजीआई में रोज पहुंच रहे 100 मरीज

प्रदूषण के कारण बढ़े अस्थमा के मरीज जो ठीक हो चुके वे फिर से हो रहे बीमार

■ मानसून के दौरान ही मिलती है शुद्ध हवा बाकी दिनों में प्रदूषण की चादर हरियाणा और आसपास के क्षेत्रों में बढ़ी परेशानी

पल्मोनरी और क्रिटिकल केयर मेडिसिन विभाग के प्रोफेसर डॉ. ध्रुव चौधरी कहते हैं कि अस्थमा के जो मरीज ठीक हो गए थे, वे फिर से बीमारी से ग्रसित होकर इलाज के लिए आ रहे हैं। यह एक गंभीर समस्या बन रही है लोगों को जागरूक होना होगा तभी इस दिक्कतों से निजात पा सकेंगे।

अमरजीत एस गिल ▶▶| रोहतक

हरियाणा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के डाटा के मुताबिक साल में प्रदेश के पंचकूला शहर को अपवाद मान लें बाकि शहरों में एक साल में मुश्किल से ही सांस लेने के लिए स्वच्छ हवा मिलती है। जब हालात ऐसे हैं तो फिर ये भी स्वभाविक है कि लोगों को इलाज के लिए प्रदेश के इकलौते सबसे बड़े चिकित्सा संस्थान पीजीआईएमएस रोहतक में प्रतिदिन श्वसन संबंधी बीमारियों के 100 मरीज पहुंचते हैं। ये एक अनुमान है। मरीजों की संख्या बढ़ रही है, ये डाटा सीधे तौर पर उपलब्ध नहीं है। लेकिन यह सच है कि प्रदूषण के कारण हरियाणा और आसपास के क्षेत्रों में श्वसन संबंधी बीमारियों के मामले बढ़े हैं। संस्थान के पल्मोनरी और क्रिटिकल केयर मेडिसिन विभाग के प्रोफेसर डॉ. ध्रुव चौधरी कहते हैं कि अस्थमा के जो मरीज ठीक हो गए थे, वे फिर से बीमारी से ग्रसित होकर इलाज के लिए आ रहे हैं। इसके अलावा रोजाना नए मरीज भी पहुंच रहे हैं और ओपीडी बढ़ रही है।

दिवाली के बाद ज्यादा दिक्कत

हर साल दिवाली के बाद से पीजीआईएमएस में अस्थमा के मरीजों की संख्या में एक दम से इजाफा हो जाता है। बढ़े प्रदूषण के कारण लोगों के आंखों में जलन, गला खराब और सांस लेने में दिक्कत हो रही है। बढ़े प्रदूषण के कारण लोगों के आंखों में जलन हो रही है। गला खराब हो रहा है। नाक बंद रहती है। मरीजों को सांस लेने में काफी परेशानी हो रही है। पीजीआईएमएस ने मरीजों के लिए एक स्पेशल वार्ड बनाया है।

मानसून में रहती है सही

प्रदेश में मध्य जुलाई से लेकर सितंबर तक दक्षिण-पश्चिम मानसून की बरसात होती है। इन तीन महीनों में कुछ दिन हवा स्वच्छ होती है। बाकि के आठ माह में किस तरह से प्रदूषण कहर बरपाता है, ये किसी से छुपा नहीं है। प्रदूषण साल दर साल बढ़ रहा है। साल 2025 का डाटा उपलब्ध नहीं है। इसकी वजह है कि महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय स्थित डाटा सेंटर जनवरी से लेकर सितंबर तक बंद था। साल 2024 के सरकारी आंकड़ों पर नजर दौड़ाई जाए तो 38 और 2023 में 48 दिन हवा सांस लेने के लायक थी। अगर पीएम 2.5 की मात्रा 50 तक हो तो ही वह सांस लेने के लिए सही मानी जाती है। बुधवार रात को नौ बजे रोहतक शहर का एक्यूआई 131 था। जबकि गत मंगलवार को ये 136 था। इससे पहले 5 जनवरी को 81 रिकॉर्ड किया गया था।

तापमान कम होने पर बढ़ता है प्रदूषण

मौसम में नमी का वायु प्रदूषकों के निर्माण और फैलाव पर प्रभाव पड़ता है। आर्द हवा प्रदूषकों को जमीन के करीब फंसा देती है और उन्हें वायुमंडल में फैलने से रोकती है। इससे हवा में प्रदूषकों की सांद्रता बढ़ जाती है. विशेषकर शहरी क्षेत्रों में। अधिकांश वायु प्रदूषण इंधनों के जलने के कारण होता है। इनमें बिजली या परिवहन के लिए ऊर्जा का उत्पादन करने के लिए कोयला तेल और गैसोलीन शामिल है। ईंधन जलने से हवा में नाइट्रोजन ऑक्साइड जैसे अन्य जहरीले प्रदूषकों का भी उत्सर्जन करता है। जब तापमान में गिरावट शुरू होती है तो पॉल्यूशन में बढ़ोतरी होनी शुरू हो जाती है। पारा कम होने से हवाओं को अति कम हो जाती है। और जिससे वायु में मौजूद अति छोटे छोट कारण जम जाते हैं।

सांस अटक जाती हैं अस्थमा मरीजों की

पॉल्यूशन का सबसे ज्यादा असर सांस संबंधी बीमारियों से ग्रसित लोगों पर ज्यादा पड़ता है। श्वसन संबंधित बीमारियां सांस की नलियों को प्रभावित करती हैं। नलियां फेफड़े से हवा को अंदर-बाहर करती हैं। अस्थमा होने पर इन नलियों की भीतरी दीवार पर सूजन आ जाती है। यह सूजन नलियों को बेहद संवेदनशील बना देती है और किसी भी बेचैन करने वाली चीज के स्पर्श से यह तीखी प्रतिक्रिया करता है। जब नलियां प्रतिक्रिया करती हैं, तो यह सिकुड़ने लगती है। इस स्थिति में फेफड़े में ऑक्सीजन की कम मात्रा जाती है। इससे खांसी, नाक बजना, छाती का कड़ा होना, रात और सुबह में सांस लेने में तकलीफ आदि जैसे लक्षण पैदा होते हैं।

कैमरों की निगरानी अधूरी, एक साल में 480 वाहन चोरी

पीजीआईः हर रोज एक से अधिक वाहन हो रहे चोरी

रोहतक। पीजीआई की पार्किंग एवं सीसीटीवी कैमरे। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

राज्य के सबसे बड़े चिकित्सा संस्थानों में शामिल पीजीआई रोहतक की पार्किंग अब मरीजों और उनके तीमारदारों के लिए सुरक्षित स्थान नहीं रह गई है। बीते एक साल में पीजीआई पार्किंग से करीब 480 दोपहिया व चारपहिया वाहन चोरी हो चुके हैं, जबकि पुलिस अब तक महज 50 मामलों का ही खुलासा कर पाई है। शेष सैकड़ों मामलों में वाहन मालिक आज भी न्याय की उम्मीद में पुलिस थानों के चक्कर काटने को मजबूर हैं। सूत्रों के अनुसार, पीजीआई पार्किंग क्षेत्र में नशे के आदी युवकों की सक्रियता लगातार बढ़ी है। यह नशेड़ी पहले पार्किंग में रेकी करते हैं, फिर मौके का फायदा उठाकर वाहनों की चोरी कर लेते हैं। चोरी किए गए वाहनों को पहले आसपास के इलाकों में खपाया जाता है, इसके बाद उन्हें उत्तर प्रदेश के मेरठ जैसे बड़े शहरों में भेज दिया जाता है। हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि इस पूरे नेटवर्क का मुख्य सरगना कौन है, पुलिस इसकी जांच में जुटी हुई है। पार्किंग में सीसीटीवी कैमरे तो लगाए हैं, लेकिन वे कवर नहीं कर पाते और कई कैमरे तो खराब पड़े हैं।

पार्किंग बेहाल

- पार्किंग में पूरी कवरेज वाले हाई-रेजोल्यूशन कैमरे लगाए
- 24 घंटे सुरक्षा गार्ड की तैनाती हो
- प्रवेश और निकास पर ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रीडर सिस्टम लगे
- चोरी की घटनाओं पर तत्काल एफआईआर दर्ज हो

आंकड़ों में पार्किंग

- एक साल में चोरी हुए वाहन 480
- पुलिस द्वारा अब तक सुलझाए गए 50 मामले
- बरामदगी करीब 10%
- सबसे ज्यादा चोरी, बाइक और स्कूटी
- वाहन बेचने का मुख्य ठिकाना मेरठ (यूपी)

सक्रिय गिरोहों पर नजर

पीजीआई पार्किंग से वाहन चोरी की घटनाओं को लेकर पुलिस गंभीर है। कई मामलों में आरोपियों की गिरफ्तारी कर वाहन बरामद किए गए हैं। शेष मामलों में भी जांच जारी है। मेरठ समेत अन्य जिलों में सक्रिय गिरोहों पर नजर रखी जा रही है। **-सुरेंद्र भौरिया, एसपी रोहतक**

गांधरा, इस्माइला- 9 बी और खरावड़ में गिराए अवैध निर्माण

रोहतक। अवैध निर्माणों को तोडते जेसीबी।

रोहतक। गांव गांधरा, इस्माइला 9बी व खरावड़ में जिला प्रशासन ने बुधवार को पक्के अवैध निर्माण को तोड़ा। इनमें एक जिम, दो ढाबा, सर्विस गैरेज शामिल है। इसके अलावा मन्नत हवेली के पीछे विकसित की जा रही एक अवैध कॉलोनी में भी तोड़फोड़ की गई। यहां एक एकड़ में पक्का रोड़ नेटवर्क बनाया गया था। इस तोड़-फोड़ अभियान में जिला नगर योजनाकार कार्यालय के अधिकारी तथा कर्मचारी मौजूद रहे। तथा कानून व्यवस्था बनाए रखने व किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तोड़ फोड़ अमले के साथ मौजूद रहा। जिला नगर योजनाकार सुमनदीप ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने जीवन की पूंजी अवैध निर्माणों या डीलर/भू-मालिकों द्वारा काटी जा रही अवैध कालोनियों में निवेश न करें क्योंकि इस तरह की विभागीय कार्यवाही समय-समय पर प्रशासन द्वारा अमल में लाई जायेगी। उन्होंने नागरिकों से अनुरोध किया है कि वे अपनी पूंजी को निवेश करने से पहले सेक्टर-1 स्थित उनके कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में आकर पूछताछ कर सकते है।

गांव भैणी भैरों में विवाहिता ने फंदा लगाकर दी जान

रोहतक। गांव भैणी भैरों में बुधवार सुबह एक हृदय विदारक घटना सामने आई, जहां एक विवाहिता ने अपने घर में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान 24 वर्षीय मंजू पत्नी नवदीप के रूप में हुई है। घटना सुबह करीब 4 बजे की बताई जा रही है। मंजू का मायका हांसी क्षेत्र के गांव पुट्ठी में है और उसकी शादी करीब तीन वर्ष पहले भैणी भैरों निवासी नवदीप से हुई थी।

सुबह परिजनों ने देखा

सुबह जब परिजन जागे तो उन्होंने मंजू को कमरे में फंदे से लटका हुआ पाया। यह दृश्य देखकर परिजनों के होश उड़ गए। इसके बाद तुरंत पुलिस और मृतका के मायके पक्ष को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने हालात का जायजा लिया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए रोहतक पीजीआई भेज दिया।

की जा रही जांच

प्रारंभिक जांच में आत्महत्या के पीछे के कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और परिजनों व आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों को लेकर स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। -सुभाष, थाना प्रभारी

आदेश सर्दी की छुट्टियों के बीच निजी स्कूलों ने जारी किया परीक्षा शेड्यूल

जिले में प्री-बोर्ड परीक्षा से बढ़ी छात्रों व अभिभावकों की टेंशन

10वीं और 12वीं कक्षा के छात्रों को प्रेक्टिकल परीक्षाओं के लिए बुलाया जा सकता है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर के निजी स्कूलों में 12वीं कक्षा के प्री-बोर्ड परीक्षा शेड्यूल जारी होने के बाद छात्रों और अभिभावकों में टेंशन बढ़ गई है। कुछ निजी स्कूलों द्वारा 9 और 12 जनवरी को प्री-बोर्ड परीक्षाएं आयोजित करने का निर्णय लिया गया है, जबकि हरियाणा सरकार और शिक्षा निदेशालय की ओर से पहले ही 1 से 15 जनवरी तक सर्दी की छुट्टियां घोषित की जा चुकी हैं। ऐसे में छुट्टियों के बीच परीक्षा शेड्यूल आने से अभिभावक असमंजस में हैं। जानकारी के अनुसार, शिक्षा निदेशालय ने 23 दिसंबर को एक पत्र जारी किया था, जिसमें स्पष्ट रूप से कहा गया था कि सर्दी की छुट्टियों के दौरान केवल 10वीं और 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को पहले से निर्धारित प्रेक्टिकल परीक्षाओं के लिए ही स्कूल बुलाया जा सकता है। इस पत्र के आधार पर अधिकांश स्कूलों ने छुट्टियों के दौरान कोई लिखित परीक्षा आयोजित नहीं की।

संशोधित पत्र जारी

31 दिसंबर को शिक्षा निदेशालय की ओर से एक संशोधित पत्र जारी किया गया। इस नए पत्र में प्रेक्टिकल परीक्षाओं के साथ-साथ प्री-बोर्ड परीक्षाएं आयोजित करने के निर्देश भी शामिल कर दिए गए। संशोधित निर्देश मिलने के बाद कुछ निजी स्कूलों ने तुरंत छुट्टियों के बीच ही प्री-बोर्ड परीक्षा का शेड्यूल जारी कर दिया। परीक्षा शेड्यूल जारी होते ही अभिभावकों में नाराजगी देखने को मिली। कई अभिभावकों का कहना है कि सरकार द्वारा घोषित छुट्टियों को ध्यान में रखते हुए उन्होंने पहले से ही पारिवारिक यात्राओं की योजना बना ली थी। कुछ परिवार बच्चों के साथ बाहर घूमने गए हुए हैं और अचानक परीक्षा की सूचना मिलने से उनकी योजनाओं पर पानी फिर गया है। अभिभावकों का यह भी कहना है कि छुट्टियों के दौरान परीक्षा आयोजित करने से छात्रों पर मानसिक दबाव बढ़ रहा है।

परीक्षाएं की जा रही आयोजित

एक स्कूल की प्रिंसिपल ने बताया कि शिक्षा निदेशालय से 31 दिसंबर को प्राप्त निर्देशों के अनुसार ही प्री-बोर्ड परीक्षा का शेड्यूल तैयार किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्कूल शिक्षा निदेशालय के आदेशों का पालन करने के लिए बाध्य है और उसी के तहत परीक्षाएं आयोजित की जा रही हैं।

अभिभावक पुनर्विचार की कर रहे हैं मांग

इस पूरे मामले पर स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने बताया कि 23 दिसंबर को जारी पत्र में केवल प्रेक्टिकल परीक्षाओं की अनुमति दी गई थी, लेकिन 31 दिसंबर को जारी संशोधित पत्र में प्रेक्टिकल के साथ-साथ प्री-बोर्ड परीक्षाएं कराने के निर्देश भी दिए गए हैं। यह संशोधित पत्र जिले के सभी सरकारी और निजी स्कूलों को भेज दिया गया था। छुट्टियों के बीच प्री-बोर्ड परीक्षा को लेकर छात्रों और अभिभावकों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है और वे शिक्षा विभाग से इस पर पुनर्विचार की मांग कर रहे हैं। **-मंजीत मलिक जिला शिक्षा अधिकारी**

मेडिसिन पैकिंग पर मौजूद इन इंडिकेशंस पर करें गौर

आप भी अकसर डॉक्टर की प्रिस्क्रिप्शन पर या अपनी जानकारी के आधार पर मेडिकल स्टोर से दवा ले आते होंगे। लेकिन दवा लेते समय सावधानी रखें और उसकी पैकिंग पर दर्ज कुछ मार्क्स या इंडिकेशंस पर गौर करें। इनमें से कुछ के बारे में यहां बता रहे हैं।

अवेयरनेस

प्रतिभा अग्निहोत्री

हम सभी को कभी न कभी किसी रोग के उपचार में डॉक्टर के पास जाना ही पड़ता है। अकसर देखा जाता है कि डॉक्टर का प्रिस्क्रिप्शन लेकर हम मेडिकल स्टोर पर जाते हैं और दवा लेकर चले आते हैं। कई बार कुछ दवाइयां बच भी जाती हैं और हम उन्हें उठाकर रख देते हैं। घर-परिवार में किसी अन्य सदस्य को वैसी ही बीमारी होने पर हम वही दवा उसे भी दे देते हैं या फिर प्रिस्क्रिप्शन देखकर अकसर मेडिकल स्टोर से बिना सोचे-विचारे, बिना डॉक्टर से कंसल्ट किए दवा खरीदकर खा लेते हैं। इससे कई बार दवा का रिएक्शन हो जाता है और तबियत बिगड़ भी जाती है। कुछ दवाइयां ऐसी होतीं हैं, जिन्हें विशेष बीमारियों के लिए ही दिया जाता है। इनकी स्ट्रिप या पैकिंग पर कुछ निशान बने या इंडिकेशन लिखे होते हैं, जिन पर हम कभी ध्यान ही नहीं देते, जबकि इन्हें जानना अत्यंत आवश्यक होता है। ऐसी कोई भी दवाई आपके घर में है तो इन्हें लेने से पूर्व डॉक्टरी सलाह अवश्य लें।

रेड कलर की लाइन: सभी एंटीबायोटिक दवाइयों पर साइड में लाल रंग की एक धारी बनी होती है, जिसका तात्पर्य होता है कि इन्हें डॉक्टर की प्रिस्क्रिप्शन के बिना बेचा और खरीदा नहीं जा सकता। ये दवाइयां टी. बी., मलेरिया, यूरिनरी इंफेक्शन और एच. आई. वी. जैसी गंभीर बीमारियों में दी जाती हैं। रेड लाइन मार्क होने का उद्देश्य ही इनकी ओपेन सेलिंग पर रोक लगाना है।

Rx(आरएक्स): कुछ दवाइयों के नाम के सबसे ऊपर साइड में आरएक्स लिखा होता है। इसका मतलब है कि ऐसी दवाइयों का सेवन केवल डॉक्टर की सलाह से ही किया जा सकता है। इसे केवल वही खरीद सकता है, जिसे डॉक्टर ने अपने पर्चे पर लिखकर दिया हो। ऐसी दवाएं अपने मन से खरीदकर नहीं खानी चाहिए।

NRx (एनआरएक्स): यह भी कुछ दवाइयों के नाम के सबसे ऊपर ही लिखा होता है। चूंकि ये नशीली दवाइयां होतीं है। इसलिए इन्हें केवल वही डॉक्टर प्रिस्क्रिप्शन पर लिख सकते हैं, जिन्हें इन्हें लिखने का लाइसेंस प्राप्त हो और लाइसेंस होल्डर मेडिकल स्टोर ही इनको बेच सकते हैं। मस्तिष्क संबंधी और मिर्गी जैसी गंभीर मानसिक बीमारियां इसी केटेगरी में आती हैं।

XRx(एक्सआरएक्स): एक्सआरएक्स मार्क्ड दवाएं सीधे मेडिकल स्टोर से नहीं खरीदी जा सकती हैं। ये केवल उन डॉक्टरों के पास होती हैं, जिनके पास इनका लाइसेंस होता है। इसे डॉक्टर सीधे मरीज को दे सकते हैं। एनेस्थीसिया में दी जाने वाली दवाइयां इसी श्रेणी में आती हैं।

H या Hx (एच या एचएक्स): जिन दवाओं की पैकिंग पर यह मार्क किया हुआ होता है, वे बहुत खतरनाक दवाइयां होतीं हैं। ये स्वास्थ्यकर्मियों के लिए भी खतरनाक होती हैं। कीमोथेरेपी की दवाइयां इसी श्रेणी में आती हैं। इसलिए इन्हें विशेष रूप से हैंडल करने की आवश्यकता होती है। ये दवाएं सीधे मेडिकल स्टोर से नहीं खरीदी जा सकती हैं।

शेड्यूल H1 (एच वन): यह प्रिंट भारतीय दवा कानून से संबंधित है। दवाओं की पैकिंग पर यह प्रिंट विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। यह दवाओं की एक विशेष श्रेणी है। इस प्रिंट की दवाएं हार्ड एंटीबायोटिक्स या ऐसी ही तेज दवाएं होती हैं। इन्हें बिना डॉक्टरी प्रिस्क्रिप्शन के नहीं खरीदा जा सकता। इनकी बिक्री के लिए मेडिकल स्टोर को अलग से परमिशन लेनी पड़ती है, उसका रिकॉर्ड रखना होता है।

दवा खरीदते समय इन इंडिकेशंस को ध्यान में रखना चाहिए और बिना डॉक्टर से कंसल्ट किए कोई दवा नहीं खरीदनी चाहिए। *

डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ. योगेश कुलकर्णी
हेड-गायनेकोलॉजिक ऑन्कोलॉजी, रोबोटिक सर्जन
कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल, मुंबई

देश-दुनिया में हर साल लाखों महिलाएं सर्वाइकल कैंसर की चपेट में आती हैं। समय पर जांच और उपचार न करवाने से बड़ी संख्या में महिलाओं की डेथ भी हो जाती है। जबकि अगर शुरुआत से ही बच्चियों और महिलाओं को इसके प्रति अवेयर किया जाए और बचाव के सभी संभव उपाय अपनाए जाएं तो इससे बचाव और उपचार संभव है। सर्वाइकल कैंसर अवेयरनेस मंथ (जनवरी) पर इस बारे में दे रहे हैं बहुत उपयोगी जानकारियां।

सर्वाइकल कैंसर सुरक्षा के लिए अपनाएं बचाव के सभी उपाय

विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के अनुसार, सर्वाइकल कैंसर दुनिया भर में महिलाओं में होने वाला चौथा सबसे कॉमन कैंसर है। भारत में यह स्थिति और भी गंभीर है, जहां हर साल लगभग 1.25 लाख नए मामले सामने आते हैं और लगभग 75,000 महिलाओं की मृत्यु इस बीमारी के कारण हो जाती है। सबसे दुःखद बात यह है कि जानकारी के अभाव में अधिकांश महिलाएं अस्पताल तब पहुंचती हैं, जब बीमारी अंतिम चरण में होती है।

सर्वाइकल कैंसर का कारण

सर्वाइकल कैंसर, गर्भाशय के निचले हिस्से (जिसे 'सर्विक्स' या गर्भाशय ग्रीवा कहा जाता है) की कोशिकाओं में विकसित होता है। इस कैंसर का मुख्य कारण ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) है। यह वायरस यौन संपर्क के माध्यम से फैलता है। हालांकि शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली अकसर इस वायरस से लड़ लेती है, लेकिन कुछ मामलों में यह वायरस वर्षों तक शरीर में बना रहता है और अंततः कैंसर का रूप ले लेता है। यदि एचपीवी संक्रमण को पहचाना नहीं गया और उसका समय पर इलाज नहीं किया गया, तो गर्भाशय ग्रीवा की असामान्य कोशिकाएं कैंसर का रूप ले सकती हैं।

वैक्सीनेशन से मिलती है सुरक्षा

सर्वाइकल कैंसर से बचने का सबसे प्रभावी तरीका एचपीवी वैक्सीन है। यह टीका शरीर में उन विशिष्ट (एचपीवी) वायरस के खिलाफ एंटीबॉडी बनाता है, जो कैंसर के लिए जिम्मेदार होते हैं। इस बारे में कुछ बातें जानना आपके लिए बहुत आवश्यक है।

सही उम्र: टीकाकरण का लाभ तब सबसे अधिक होता है, जब यह वायरस के संपर्क में आने से पहले, यानी यौन सक्रिय होने से पहले दिया जाए। विशेषज्ञों का मानना है कि 9 से 14 वर्ष की उम्र सबसे उपयुक्त होती है क्योंकि इस दौरान शरीर की प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया सबसे मजबूत होती है। 15 से 45 वर्ष की महिलाएं भी यह टीका लगवा सकती हैं। हालांकि उम्र बढ़ने के साथ इसकी प्रभावशीलता थोड़ी कम हो सकती है, लेकिन यह फिर भी कैंसर से सुरक्षा प्रदान करता है।

वैक्सीन डोज: वैक्सीन की डोज, महिला की आयु पर निर्भर करती है। 9 से 14 वर्ष आयु वर्ग की बच्चियों को 2 डोज लगवानी होती है। पहली डोज के 6 महीने बाद दूसरी डोज। जबकि 15 से 45 वर्ष आयु की किशोरियों और महिलाओं को 3 डोज लगावानी होती है। पहली डोज के 1-2 महीने बाद दूसरी और 6 महीने बाद तीसरी। यदि किसी महिला की रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्यूनिटी) बहुत कमजोर है, तो उन्हें डॉक्टर 3 खुराक की सलाह दे सकते हैं, भले ही उनकी उम्र 15 वर्ष से कम हो। स्वदेश निर्मित वैक्सीन लॉन्च हो चुकी है। यह वैक्सीन विदेशी टीकों की तुलना में काफी सस्ती है।

स्क्रीनिंग क्यों है जरूरी

सिर्फ वैक्सीन लगवाना ही काफी नहीं है। 30 वर्ष की आयु के बाद हर महिला को नियमित रूप से पैप स्मीयर या एचपीवी डीएनए टेस्ट करवाना चाहिए। ये टेस्ट कैंसर होने से पहले की स्थिति का पता लगा लेते हैं, जिससे समय रहते इलाज संभव हो पाता है।

ये लक्षण कभी न करें इग्नोर

शुरुआती चरणों में इस कैंसर के कोई विशेष लक्षण नहीं दिखते हैं लेकिन बीमारी बढ़ने पर कुछ लक्षण सामने आ सकते हैं।

- पीरियड्स के बीच में या शारीरिक संबंध के बाद असामान्य रक्तस्राव।
- मेनोपॉज (मासिक धर्म बंद होने) के बाद ब्लीडिंग होना।
- योनि (वेजाइना) से दुर्गंधयुक्त सफेद या गुलाबी पानी आना।
- पेल्विक एरिया (पेड़ू) में लगातार दर्द रहना।

सर्वाइकल कैंसर का उपचार

यदि किसी महिला में स्क्रीनिंग के दौरान सर्वाइकल कैंसर की पुष्टि होती है, तो इसका उपचार कैंसर के चरण (स्टेज), ट्यूमर के आकार और महिला की उम्र के आधार पर तय किया जाता है। यदि शुरुआती चरणों में पता चल जाए, तो यह पूरी तरह ठीक हो सकता है। उपचार के मुख्य तरीके निम्नलिखित हैं-

सर्जरी: जब कैंसर केवल गर्भाशय ग्रीवा (सर्विक्स) तक सीमित होता है, तो डॉक्टर सर्जरी की सलाह देते हैं।

कोन बायोप्सी: इसमें केवल कैंसर प्रभावित हिस्से को हटाया जाता है, जिससे महिला भविष्य में गर्भधारण कर सकती है।

हिस्टेरेक्टॉमी: इसमें गर्भाशय और ग्रीवा को पूरी तरह से निकाल दिया जाता है। यह आमतौर पर तब किया जाता है जब कैंसर फैलने का डर हो।

रेडिएशन थेरेपी: इसमें उच्च ऊर्जा वाली किरणों (जैसे एक्स रेज) का उपयोग कैंसर कोशिकाओं को नष्ट करने के लिए किया जाता है। यह दो तरह की होती है-

एक्सटर्नल बीम रेडिएशन: शरीर के बाहर से किरणों को ट्यूमर पर लक्षित किया जाता है।

ब्रेकीथेरेपी: इसमें रेडियोधर्मी सामग्री को शरीर के भीतर कैंसरग्रस्त भाग के पास रखा जाता है।

कीमोथेरेपी: इसमें शक्तिशाली दवाओं का उपयोग किया जाता है जो रक्त के माध्यम से पूरे शरीर में फैलती हैं और कैंसर कोशिकाओं को मारती हैं। अकसर बेहतर परिणामों के लिए रेडिएशन और कीमोथेरेपी को एक साथ (कीमोरेडिएशन) दिया जाता है।

टार्गेटेड थेरेपी और इम्यूनोथेरेपी: इसमें एडवांस्ड चरणों में, ऐसी दवाओं का उपयोग किया जाता है, जो केवल विशिष्ट कैंसर कोशिकाओं पर हमला करती हैं या शरीर की अपनी प्रतिरक्षा प्रणाली को कैंसर से लड़ने के लिए मजबूत बनाती हैं।

उपचार के बाद निगरानी: इलाज पूरा होने के बाद भी नियमित जांच अत्यंत आवश्यक है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कैंसर वापस नहीं आ रहा है। हेल्दी डाइट और डॉक्टर के बताए निर्देशों का पालन रिकवरी में मदद करता है।

रोकथाम में आहार का महत्व

सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम में स्वास्थ्यकर आहार की भी अपनी भूमिका है। एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर खाद्य पदार्थों जैसे, फलों और सब्जियों का नियमित रूप से सेवन करने से एचपीवी संक्रमण और गर्भाशय ग्रीवा में इसके कारण होने वाले सेलुलर परिवर्तनों से सफलतापूर्वक निपटने में मदद मिल सकती है। विटामिन-ए, विटामिन-सी, डी, ई, फोलेट और फ्लेवोनोइड जैसे पोषक तत्व गर्भाशय ग्रीवा की कोशिकाओं को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं।

इससे बढ़ता है रिस्क

मोटापा, सर्वाइकल कैंसर का जोखिम भरा कारक है। इसलिए इसे कंट्रोल करने के लिए संतुलित पौष्टिक आहार ग्रहण करना और नियमित रूप से व्यायाम करना आवश्यक है। जो महिलाएं मोटापे से ग्रस्त नहीं हैं, उन्हें भी अपनी उम्र और शारीरिक क्षमता के अनुसार नियमित रूप से व्यायाम करना चाहिए और अपने डॉक्टर या डाइटिशियन से परामर्श लेकर हेल्दी डाइट ग्रहण करना चाहिए। किसी भी तरह का मादक पदार्थ और तंबाकू का सेवन हानिप्रद है। कई लोगों के साथ यौन संबंध बनाने से बचने और कंडोम का उपयोग करने से एचपीवी के जोखिम को कम करने में मदद मिल सकती है। *

प्रस्तुति: विवेक शुक्ला

फिटनेस

डॉ. माजिद अलीम

स्ट्रेचिंग केवल वार्मअप का तरीका नहीं होती है। इसे सही तरीके से रेग्युलर किया जाए तो इससे कंप्लीट एक्सरसाइज के फायदे हासिल किए जा सकते हैं। इससे क्या फायदे होते हैं, इसके प्रमुख प्रकार कौन से हैं, बता रहे हैं यहां।

कंप्लीट एक्सरसाइज है स्ट्रेचिंग

आमतौर पर मानते हैं कि स्ट्रेचिंग, सिर्फ यह होती है कि कमर झुकाओ और अपने पैरों को छू लो। स्ट्रेचिंग, वर्कआउट से पहले केवल वार्म-अप करना भी नहीं है बल्कि यह अपने आप में एक्सरसाइज है।

होते हैं कई फायदे

स्ट्रेचिंग से दिल और दिमाग रिलैक्स होता है और रोजमर्रा के जीवन के तनावों को दूर करने में मदद मिलती है। शरीर को भी इससे बहुत फायदा मिलता है। इसीलिए स्ट्रेचिंग को एक कंप्लीट एक्सरसाइज माना जाता है क्योंकि इससे शरीर में फ्लेक्सिबिलिटी (लचीलापन) बढ़ती है। स्ट्रेचिंग से मांसपेशियों और जोड़ों की रेंज ऑफ मोशन बढ़ती है, जिससे शरीर ज्यादा सक्रिय और लचीला बनता है।

बेहतर होता है ब्लड सर्कुलेशन

जब हम स्ट्रेच करते हैं, तो मांसपेशियों में रक्त प्रवाह बढ़ता है। यह ऑक्सीजन और पोषक तत्वों की आपूर्ति बढ़ाकर ऊतकों की सेहत सुधारता है। इससे तनाव और मानसिक थकान भी कम होती है। धीमी और गहरी स्ट्रेचिंग, खासकर सांस पर फोकस के साथ, मानसिक तनाव को कम करती है। कई बार इसे मेडिटेटिव (ध्यानात्मक) गतिविधि के रूप में भी अपनाया जाता है।

मांसपेशियां होती हैं मजबूत

नियमित स्ट्रेचिंग से मांसपेशियों की लंबाई और संतुलन बनाए रखने में मदद मिलती है, जो शरीर की सही मुद्रा को सपोर्ट करता है। इसीलिए संतुलित फिटनेस कार्यक्रम की एक मुख्य कड़ी के रूप में स्ट्रेचिंग को चिन्हित किया जाता है। इससे चोट लगने का खतरा कम होता है, शरीर की मूवमेंट बढ़ जाती है, बॉडी रिलैक्स होती है, एक्सरसाइज परफॉर्मेंस बढ़ जाता है, पोस्चर बेहतर होता है और शरीर लचीला और सतर्क रहता है।

किसे स्ट्रेच करना चाहिए

स्ट्रेचिंग सभी के लिए अच्छी है। आपका रूटीन कैसा भी हो। स्ट्रेचिंग के लाभ अनगिनत हैं। क्योंकि स्ट्रेचिंग संतुलित फिटनेस कार्यक्रम का महत्वपूर्ण हिस्सा है। स्ट्रेचिंग के लाभों के बारे में जो निरंतर शोधों से पुष्टि हो रही है, उससे प्रभावित होकर अमेरिकन कॉलेज ऑफ स्पोर्ट्स मेडिसिन ने संपूर्ण स्वास्थ्य लाभ के लिए अपने दिशा निर्देशों में स्ट्रेचिंग को भी शामिल किया है।

एथलीट्स के लिए लाभदायक

लगातार दौड़ने से मांसपेशियों में अकड़ाहट बढ़ जाती है और लचीलापन कम हो जाता है। ऐसे में धावकों के लिए स्ट्रेचिंग न सिर्फ लचीलापन लाती है, बल्कि उनका सामान्य चोटों से भी बचाव करती है जैसे फुटबॉल से जुड़ी कमर की समस्या, कंधे में सूजन, टेनिस एलबो जिनका संबंध अन्य स्पोर्ट्स से है जैसे टेनिस, या घुटने की समस्या जो दौड़ने या स्क्वैश के कारण होती है।

कमर दर्द में कारगर

कमर के निचले हिस्से में दर्द का मुख्य कारण कम लचीलापन और हैमस्ट्रिंग्स होता है। ध्यान रखें कि जो मांसपेशी निरंतर सिकुड़ी हुई रहती हैं, उसे शांत करने के लिए अधिक ऊर्जा की जरूरत होती है। स्ट्रेचिंग से स्पाइन रिलैक्स होती है, जिससे मस्कुलर टेंशन दूर होती है। स्ट्रेचिंग से पोस्चर की अधिकतर समस्याएं मांसपेशियों में टाइटनेस के कारण खराब एलाइनमेंट की वजह से होती है। स्ट्रेचिंग से सॉफ्ट टिश्यु स्ट्रेचिंग रिएलाइन हो जाते हैं और पोस्चर ठीक रहता है। इसलिए स्ट्रेचिंग को फिटनेस रूटीन में जरूर शामिल करें।

कुछ इफेक्टिव स्ट्रेचिंग

आपको कुछ इफेक्टिव स्ट्रेचिंग के बारे में यहां बता रहे हैं।

कॉफ स्ट्रेचिंग: सीधा पैर आगे बढ़ाते हुए बड़ा कदम लें, सीधा पैर मुड़ा हुआ, उल्टा पैर सीधा अपने कूल्हों को आगे की तरफ मुड़े हुए घुटने की ओर बढ़ाएं। दोनों पैरों को आगे की ओर प्वाइंट करें और उल्टी एड़ी को जमीन पर लटकने दें। थोड़ी देर ऐसे ही रूकें और फिर साइड बदल लें। जांघ का अगला हिस्सा- सीधे खड़े हो जाएं। सीधे पैर को सीधे हाथ से पकड़ लें। अपने पैर को कूल्हे की ओर लाएं, घुटनों के साथ रखते हुए। थोड़ी देर रुकें और फिर दूसरे पैर से दोहराएं।

जांघ का पिछला हिस्सा: एक पैर को आहिस्ता से उठाएं और किसी उठी हुई जगह पर रख लें, जैसे पार्क बैंच। अपने कूल्हों को स्क्वेयर रखते हुए, अपने पेट से झुकें और शरीर के ऊपरी हिस्से को आगे की ओर झुकाएं। थोड़ी देर रुकें और फिर दूसरे पैर से इसी प्रक्रिया को दोहराएं।

वेस्ट स्ट्रेचिंग: पैरों को कंधे की सीध में चौड़ा कर लें, घुटने थोड़े से मुड़े हुए हों और पैर के अंगूठे सीधे प्वॉइंट करते हुए, सीधे हाथ को कूल्हे पर रख लें और उल्टे हाथ को सिर के ऊपर ले जाएं। आहिस्ता से वेस्ट पर बेंड करें साइड में और एक मिनट तक ठहरें। दूसरी साइड से भी ऐसा ही दोहराएं।

ऊपरी कमर की स्ट्रेचिंग: इसके लिए सीधे खड़े होकर आगे की ओर हाथों को ऐसे बांध लें कि कमर के ऊपरी हिस्से में स्ट्रेचिंग महसूस हो। स्ट्रेचिंग के दौरान सिर को नीचा करें ताकि चिन सीने के करीब आ जाए।

नेक स्ट्रेचिंग: अपना सिर दाईं तरफ झुका लें जिससे कान, कंधे के करीब हों फिर बीच में आ जाएं। अब दूसरी साइड से भी ऐसा करें।

कंधों का स्ट्रेच: सीधे हाथ को सीने पर समतल क्रॉस कर लें। बांया हाथ उस पर कोहनी के पास रख लें, सीधे हाथ को सीने की ओर खींचें।

चेस्ट स्ट्रेचिंग: बैठकर अपने दोनों हाथ कमर पर रखें फिर दोनों हाथों को आपस में बांध लें और हाथों को ऊपर उठाएं ताकि पेक्टोरल्स में स्ट्रेच महसूस हो। *

हर्बल जोन

रेखा देशराज

कुछ समय पूर्व जानकारी सामने आई कि हल्दी को 'हर्ब ऑफ द ईयर' चुना गया है। इससे दुनिया भर में हल्दी के औषधीय गुणों को और महत्ता मिलेगी। हल्दी में कौन से हैं वे विशेष गुण, जिनकी वजह से इसे यह तमगा मिला, आप जरूर जानना चाहेंगे।

दुनिया कर रही स्वीकार हल्दी के औषधीय गुण

अंतरराष्ट्रीय जड़ी बूटी संघ (आईएचए) ने साल 2026 के लिए हल्दी को 'हर्ब ऑफ द ईयर' चुना है। यह एक पूर्व निर्धारित चयन है। दरअसल, आईएचए हर साल किसी एक जड़ी-बूटी को उसके औषधीय, पाक या सौंदर्य गुणों के कारण उस साल विशेष की जड़ी-बूटी का खिताब देता है और साल 2026 के लिए यह सेहरा हल्दी के सिर बंधा है।

इसलिए मिला यह तमगा: सवाल है, इस साल हल्दी को यह श्रेय क्यों मिला है? दरअसल, यह सदियों से आयुर्वेद की एक औषधीय जड़ी के साथ-साथ भारत में स्वाद और मसाले के रूप में प्रयुक्त होती रही है। इसके कई चिकित्सकीय और स्वास्थ्यरक्षक गुणों के कारण हाल के सालों में हल्दी पर जितने शोध हुए हैं, उतने शोध किसी और जड़ी-बूटी के हिस्से नहीं आए और इन शोधों से पता चला है कि हल्दी को हम जितना महत्वपूर्ण मानते हैं, वह उससे भी अधिक है। इसलिए आईएचए ने साल 2026 के लिए हल्दी को 'साल की जड़ी बूटी' के रूप में चुना है। इसके कारण अब हल्दी की लोकप्रियता पहले से कई गुना ज्यादा हो जाएगी।

कई रूपों में उपयोगी: हल्दी को सदियों से भारत और दुनिया के ज्यादातर हिस्सों में स्वास्थ्य, सौंदर्य, मसाले और औषधि के रूप में जाना जाता रहा है। चूंकि पिछले कई सालों से हल्दी को लेकर दुनिया में कई तरह के शोध अध्ययन हुए हैं, जिनमें पाया गया है कि हल्दी इम्यूनिटी बढ़ाने, शरीर के सूजन को नियंत्रित करने और एंटीऑक्सीडेंट्स के गुणों से भरपूर होती है। इसलिए उसे इस साल जड़ी बूटियों की महारानी होने का गौरव हासिल हुआ है।

भारत में सर्वाधिक उत्पादन: दुनिया में जितनी हल्दी का उत्पादन होता है, उसमें 80 फीसदी हल्दी भारत में ही पैदा होती है। इसलिए दुनिया भर में जो हल्दी पाई जाती है, उसमें 70 से 80 फीसदी हिस्सा भारतीय हल्दी का ही होता है। अब क्योंकि हल्दी को इस साल की प्रमुख जड़ी-बूटी का खिताब मिला है, इस कारण इसका महत्व और बढ़ जाएगा। अभी तक हल्दी को लोग भारतीय मसाला या दादी-नानी का औषधीय नुस्खा माना करते थे, पर अब हर्ब ऑफ द ईयर टैग पाने के बाद यह फोक या लोकल मेडिसिन से निकलकर वैज्ञानिक और ग्लोबल वेलनेस के फ्रेमवर्क का मुख्य हिस्सा बन गई है। इस कारण अब हल्दी को स्टैंडर्ड हर्ब मान लिया गया है।

हो रहे हैं नए रिसर्च: अब दुनिया के दर्जनों यूनिवर्सिटीज में हल्दी को लेकर नए-नए एंगल से रिसर्च हो रहे हैं। अनेक फार्मास्युटिकल कंपनियां इसके विभिन्न उत्पादों का ट्रायल कर रही हैं। न्यूट्रास्यूटिकल प्रोडक्ट डेवलपमेंट में भी हल्दी का कोई सानी नहीं है, क्योंकि हर्ब ऑफ द ईयर का तमगा पाने के बाद पूरी दुनिया इस पर निवेश करने के लिए तैयार है। यही कारण है कि हल्दी अब केवल किचन का हिस्सा नहीं है, यह लैब और क्लीनिक का भी विषय बन गई है। इस साल हमें हल्दी के कई नए उत्पाद देखने को मिलेंगे। जैसे- दुनिया की कई फार्मा कंपनियां, हल्दी आधारित इम्यूनिटी शॉट्स जैसा प्रोडक्ट लाने की तैयारी में हैं। स्किन केयर में हल्दी अब पूरी दुनिया में महत्वपूर्ण हर्ब मान ली गई है और इस साल दर्जनों स्किन केयर क्रीम हल्दी को लेकर आएंगी। स्पोर्ट्स न्यूट्रिएंट्स में भी अब हल्दी का भरपूर यूज किए जाने की उम्मीद है। माइक्रो-डोज, कैप्सूल, चाय आदि के नए रूपों में भी हल्दी सामने आ सकती है। *

खबर संक्षेप

आयोजित बैठक को सम्बोधित करते राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री।

12 फरवरी हड़ताल को सफल बनाने पर चर्चा

रोहतक। सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा (संबद्ध अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ) की राज्य कार्यकारिणी की बैठक मंगलवार को कर्मचारी भवन में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री ने की तथा संचालन महासचिव कृष्ण नैन ने किया। यह जानकारी देते हुए राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री ने बताया कि ब 12 फरवरी 2026 की एक दिवसीय राष्ट्रीय हड़ताल में सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा बढ़-चढ़कर भाग लेगा।

टेलेंट बढ़ाएं, रोजगार के अनेक अवसर : दीक्षा

सांपला। गांव खरावड़ के राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में चल रहे पांच दिवसीय लाइव सिकल डेवलपमेंट के तीसरे दिन डाक्टर दीक्षा ने छात्रों को जीवन में कैसे सफल हो इस बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि होटल मैनेजमेंट के कोर्स में भी बहुत अवसर हैं। आज कंपटीशन के इस दौर में अपने आप में टैलेंट बनाना होगा। जीवन में कामयाबी की सफलता जरूर मिलेगी। वहीं डीपी गीता ने छात्राओं को व्यायाम करते हुए उसके फायदे बताए, उन्होंने कहा कि प्रतिदिन व्यायाम करने से शरीर मजबूत बनता है वहीं बीमारी भी कम लगती है। प्राचार्य विना खत्री ने सफाई संबंधित जानकारी दी। इसके अलावा नीरु बाला, सुमिता भी उपस्थित थीं।

शिविर में 19 लोगों ने किया रक्तदान

रोहतक। आंबेड़कर चौक पर बुधवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर की अध्यक्षता राष्ट्र देवो भवः मिशन के संस्थापक बावा सुखा शाह महाराज ने की। पीजीआई ब्लड बैंक के सौजन्य से 19 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। बावा सूखा शाह ने रक्तदाताओं को प्रशंसा पत्र तथा बैज पलगा कर सम्मानित किया और युवाओं को अधिक से अधिक रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया।

सिद्ध योगीराज श्री श्रेयोनाथ का जीवन तप और त्याग से भरा: बालकनाथ

- नाथ सम्प्रदाय के छठे महंत, सिद्ध योगीराज श्री श्रेयोनाथ महाराज की जयंती एवं पुण्यतिथि मनाई

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रोहतक

नाथ सम्प्रदाय के छठे महंत, सिद्ध योगीराज श्री श्रेयोनाथ महाराज की जयंती एवं पुण्यतिथि के अवसर पर उन्हें श्रद्धा और सम्मान के साथ भावपूर्ण नमन किया गया। इस अवसर पर मठाधीश्वर एवं बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति महंत बालक नाथ योगी ने उनके जीवन, सेवा भावना और ऐतिहासिक योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। महंत बालक नाथ योगी ने कहा कि सिद्ध योगीराज श्री श्रेयोनाथ महाराज केवल एक महान योगी ही नहीं थे, बल्कि वे नाथ परंपरा के ऐसे संत थे जिन्होंने साधना, सेवा और शिक्षा को एक साथ जोड़ा। प्रसिद्ध नाड़ी वैद्य के रूप में उन्होंने आयुर्वेद के माध्यम से हजारों रोगियों का निःस्वार्थ भाव से उपचार किया। उनका मानना था कि स्वास्थ्य सेवा केवल चिकित्सा नहीं, बल्कि करुणा और मानवता का कार्य है। उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार में स्वास्थ्य मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान श्री श्रेयोनाथ महाराज ने आयुर्वेद और भारतीय चिकित्सा पद्धतियों को सरकारी स्तर पर सशक्त बनाने का कार्य किया। उस समय आयुर्वेद को आधुनिक व्यवस्था से जोड़ने के लिए जो प्रयास किए गए, वे आज भी प्रेरणास्त्रोत हैं।

उन्होंने ग्रामीण और साधनहीन वर्ग तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने पर विशेष जोर दिया। महंत बालक नाथ योगी ने कहा कि श्री श्रेयोनाथ महाराज का संपूर्ण जीवन तप, त्याग और लोकसेवा को समर्पित रहा। उनकी शिक्षाएं आज भी समाज को मानवता की सेवा, नैतिक मूल्यों और राष्ट्रहित में कार्य करने की प्रेरणा देती हैं। ऐसे महापुरुषों का स्मरण हमें अपने दायित्वों के प्रति जागरूक करता है और सेवा के मार्ग पर आगे बढ़ने की शक्ति प्रदान करता है। इस अवसर पर बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बीएम यादव, कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार, विश्वविद्यालय के शिक्षकगण एवं स्टाफ सदस्यों ने भी सिद्ध योगीराज श्री श्रेयोनाथ महाराज को श्रद्धासुमन अर्पित किए और उनके आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

रोहतक। नाथ सम्प्रदाय के छठे महंत, सिद्ध योगीराज श्रेयोनाथ महाराज की जयंती एवं पुण्यतिथि के अवसर पर उन्हें श्रद्धा और सम्मान के साथ भावपूर्ण नमन करते महंत बालकनाथ योगी। *फोटो : हरिभूमि*

शिक्षा के क्षेत्र में श्री श्रेयोनाथ का विशेष योगदान

महंत बालक नाथ योगी ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में भी श्री श्रेयोनाथ महाराज का योगदान अविस्मरणीय है। श्री बाबा मस्तनाथ आयुर्वेदिक कॉलेज, अस्थल बोहर की स्थापना उनके दूरदर्शी चिंतन का परिणाम है। उनका उद्देश्य था कि आयुर्वेद, योग और गणित जैसे विषयों की प्राचीन भारतीय परंपरा को आधुनिक शिक्षा के साथ आगे बढ़ाया जाए, ताकि समाज को सुयोग्य और संस्कारवान चिकित्सक एवं विद्वान मिल सकें। उन्होंने यह भी बताया कि श्री श्रेयोनाथ महाराज गणित और तार्किक ज्ञान को जीवन प्रबंधन से जोड़कर देखते थे। वे मानते थे कि गणित केवल अंकों का विषय नहीं, बल्कि अनुशासन, संतुलन और स्पष्ट सोच का माध्यम है, जो व्यक्ति को जीवन में सही निर्णय लेने की क्षमता देता है।

जेई, पार्षद से लेकर बड़े अधिकारी को लगा चुके गुहार, महीनों बाद भी सुनवाई नहीं

जानलेवा जल : जो कपड़े धोने लायक ही नहीं, प्रेम नगर वाले उसे पीने को मजबूर

- *बीमारियों को खुला न्योता, सीवर का गंदा पानी मिल रहा सप्लाई में*
- *धरना-प्रदर्शन के बावजूद भी जस के तस बने हुए हैं हालात*

लोगों की मांग है कि प्रभावित गलियों में पुरानी पाइप लाइनों को हटाकर नई पेयजल पाइप लाइन दबाई जाए, ताकि समस्या का स्थायी समाधान हो सके और लोगों को दूषित पानी की सप्लाई से निजात मिल सके

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रोहतक

शहर के प्रेम नगर क्षेत्र में दूषित पेयजल की समस्या लगातार गंभीर रूप लेती जा रही है। कई माह से कॉलोनी की अनेक गलियों में ऐसा गंदा और बदबूदार पानी सप्लाई हो रहा है, जो न तो पीने योग्य है और न ही दैनिक उपयोग में लाया जा सकता है। इस दूषित पानी के कारण क्षेत्रवासियों के स्वास्थ्य पर खतरा मंडरा रहा है, लेकिन बार-बार शिकायतों और धरना-प्रदर्शन के बावजूद हालात जस के तस बने हुए हैं। लोंगो का कहना है कि प्रेम नगर की कई गलियों में नलों से काले और पीले रंग का और बदबूदार पानी आ रहा है। यह पानी इतना दूषित है कि इससे कपड़े धोना या खाना बनाना भी संभव नहीं है। मजबूरी में लोग बाजार से पानी खरीदकर पीने को मजबूर हैं, जिससे आर्थिक बोझ भी बढ़ रहा है। क्षेत्र के निवासी सुरेंद्र पंवार सहित अन्य लोगों ने बताया कि पिछले कई महीनों से वे इस समस्या को झेल रहे हैं और कई बार जल स्वास्थ्य विभाग के जेई, पार्षद और अन्य अधिकारियों को शिकायत दी जा चुकी है, लेकिन कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला गया। निवासियों का आरोप है कि जब भी वे शिकायत लेकर अधिकारियों के पास जाते हैं, तो उन्हें यह कहकर टाल दिया जाता है कि यह सीवर की समस्या है। सीवर और पेयजल लाइनें पुरानी और क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं, जिसके कारण सीवर का गंदा पानी पेयजल लाइन में मिल रहा है।

रोहतक। दूषित पेयजल को लेकर रोष जताते हुए स्थानीय निवासी।

जन स्वास्थ्य विभाग द्वारा सप्लाई किया जाने वाला पानी।

इंदौर में दूषित पेयजल से हो चुकी 17 लोगों की मौत

इंदौर में हाल ही में दूषित पेयजल जानलेवा साबित हो चुका है। जहां पेयजल के सेवन से 17 लोगों की मौत हो गई थी। इस वजह से दूषित पेयजल पीने से लोग बच रहे हैं और जन स्वास्थ्य विभाग से कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

मेयर ने किया था शुभारंभ

हाल ही में नगर निगम मेयर रामअवतार वाल्मीकि ने वार्ड नंबर आठ की पार्षद अंजू सैनी के साथ प्रेम नगर में नए रोड निर्माण कार्य का शुभारंभ किया था। हालांकि, यह रोड अभी आधा ही बन पाया है। निर्माण के दौरान सीवर और पानी की पाइप लाइनों को बदला जा रहा है, लेकिन यह कार्य सीमित क्षेत्र तक ही किया जा रहा है। स्थानीय निवासी चाहते हैं कि रोड के साथ-साथ आगे की गलियों में भी नई पाइप लाइन डाली जाए, ताकि पूरे क्षेत्र को दूषित पानी की समस्या से राहत मिल सके।

तीन माह पहले दिया था धरना

गौरतलब है कि प्रेम नगर सहित आसपास की कई कॉलोनियों में गंदे पानी की सप्लाई से परेशान होकर लोगों ने करीब तीन माह पहले सड़क पर धरना भी दिया था। उस दौरान लोगों ने प्रशासन से जल्द समाधान की मांग की थी। धरने के बाद एक्सईएन के आश्वासन पर जेई भूदेव को मौके पर भेजा गया था, जिन्होंने समस्या का जल्द निवारण करने की बात कही थी। लेकिन तीन माह बीत जाने के बावजूद न तो पाइप लाइन बदली गई और न ही गंदे पानी की सप्लाई बंद हुई, जिससे लोगों में भारी रोष व्याप्त है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि जब तक पूरे क्षेत्र में नई पाइप लाइन नहीं डाली जाती, तब तक इस समस्या से स्थायी राहत मिलना मुश्किल है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि दूषित पेयजल की समस्या को गंभीरता से लेकर समाधान करे।

जल्द समाधान का भरोसा

प्रेम नगर में नया रोड बनवाया जा रहा है और जहां-जहां पानी की लाइन खराब पाई गई है, वहां पाइप लाइन डाली जा रही है। उन्होंने कहा कि जिन गलियों से अब भी दूषित पेयजल की शिकायत मिल रही है, वहां विभाग द्वारा काम शुरू कर दिया गया है और जल्द ही समस्या का समाधान कर दिया जाएगा।

अंजू सैनी, वार्ड पार्षद नम्बर आठ

जॉन वेस्ले कॉन्वेंट के एनएसएस शिविर में दिखा उत्साह

रोहतक। जॉन वेस्ले कॉन्वेंट में चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) शिविर के दूसरे दिन 7 जनवरी को विद्यार्थियों के लिए विविध रचनात्मक, स्वास्थ्यवर्धक एवं ज्ञानवर्धक गतिविधियों का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य छात्र-छात्राओं में सेवा, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना रहा। दिन की शुरुआत वृक्षारोपण कार्यक्रम से हुई, जिसमें एनएसएस स्वयंसेवकों ने विद्यालय परिसर में पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और उनकी देखभाल का संकल्प लिया। इसके बाद आयोजित योग सत्र में विद्यार्थियों ने योग के माध्यम से शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को समझा। शिविर के दौरान हार्टफूलनेस सेंटर रोहतक से आए राम कुमार दहिया ने ध्यान सत्र का संचालन किया। उन्होंने ध्यान के लाभ बताते हुए एकाग्रता, मानसिक शांति और आत्मअनुशासन पर प्रकाश डाला। एक विशेष सत्र में विद्यार्थियों को जियो-पॉलिटिक्स के बदलते वैश्विक और क्षेत्रीय परिदृश्य से अवगत कराया।

रोहतक। लोगों को सेक्टर में कंबल वितरित करते उपाचार्य महामण्डलेश्वर बाबा कपिल पुरी महाराज , महामण्डलेश्वर आचार्यस्वामी विश्वेश्वरानंद गिरी महाराज व एलपीएस बोसार्ड के डायरेक्टर राजेश जैन।

जरूरतमंदों को गर्म वस्त्र किए वितरित

रोहतक। भारी शीत लहर के चलते एलपीएस बोसार्ड के डायरेक्टर राजेश जैन द्वारा गरीब, जरूरतमंदों व बेसहारा लोगों को सेक्टर तीन व चार की पुलिया के पास कंबल वितरित किए गए। मीडिया प्रभारी राजीव जैन ने बताया की एल.पी.एस. बौसार्ड के डायरेक्टर राजेश जैन,उपाचार्य महामण्डलेश्वर बाबा कपिल पुरी महाराज , महामण्डलेश्वर आचार्यस्वामी विश्वेश्वरानंद गिरी महाराज ने जरूरत मंद लोगो को कंबल बांटे। मीडिया प्रभारी राजीव जैन ने बताया कि इस मौके पर उनके साथ सन्नी निझावन, पिंकी, योगेश अरोड़ा, शीतल, सेवा राम, नरेश, आनन्द, दिलबाग आदि रहे।

ऑनर किलिंग मुकदमें की सुनवाई अब 21 जनवरी को

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रोहतक

गांव काहनी में हुए सनसनीखेज ऑनर किलिंग मामले में बुधवार को अदालत में सुनवाई हुई। यह मामला अब एडिशनल सेशन जज अनिल कौशिक की अदालत में कमिट हो चुका है। सुनवाई के दौरान यह सामने आया कि पुलिस अभी तक कोर्ट में चालान पेश नहीं कर पाई है। इस पर अदालत ने नाराजगी जताते हुए पुलिस को शीघ्र चालान दाखिल करने के निर्देश दिए। साथ ही मामले की अगली सुनवाई के लिए 21 जनवरी की तारीख तय की गई है।

19 नवंबर को हुई थी वारदात

गांव काहनी में 19 नवंबर की रात ऑनर किलिंग की यह घटना सामने आई थी। मृतका की पहचान करीब 22 वर्षीय सपना, पत्नी सूरज के रूप में हुई थी। वहीं, इस हमले में सपना का देवर साहिल गंभीर रूप से घायल हुआ था। पुलिस के अनुसार, रात करीब 11 बजे चार आरोपी हथियारों के साथ घर में घुसे और सपना को निशाना बनाया। आरोपियों ने सपना पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाईं, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। उसे बचाने के प्रयास में बीच-बचाव करने आए साहिल को भी गोली मार दी गई, जिसे गंभीर हालत में पीजीआई रोहतक में भर्ती कराया गया था।

पति को भी मारने की थी साजिश

पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि वारदात के समय सपना का पति सूरज घर पर मौजूद नहीं था। आरोपियों की मंशा सूरज को भी जान से मारने की थी, लेकिन उसके घर पर न होने के कारण वह बच गया। वारदात को अंजाम देने के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए थे।

आश्रम में छोड़ा गया बालक आठ माह बाद प्री-अडॉप्शन पर भेजा

- अच्छी देखभाल से अब चलने-दौड़ने लगा, जल्द मिलेगा नया परिवार

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रोहतक

रोहतक। जगन्नाथ आश्रम।

चौधरी लखीराम आर्य जगन्नाथ आश्रम में करीब तेरह माह पूर्व छोड़ा गया एक बालक अब प्री-अडॉप्शन प्रक्रिया में चला गया है। आश्रम प्रशासन के अनुसार 24 नवंबर 2024 को किसी अज्ञात महिला या पुरुष ने आश्रम के मुख्य द्वार के पास बने पालने में नवजात बालक को छोड़ दिया था। बालक के रोने की आवाज सुनकर ड्यूटी पर तैनात चौकीदार ने तुरंत आश्रम प्रबंधक संदीप को इसकी सूचना दी। आश्रम प्रबंधन ने तत्परता दिखाते हुए उसी समय बाल कल्याण समिति और बाल संरक्षण अधिकारी को फोन पर सूचित किया। अगले दिन सिविल अस्पताल में बालक की शारीरिक जांच करवाई गई, जिसके बाद उसे नियमानुसार विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी को सौंप दिया गया। एजेंसी में आठ माह की बेहतर देखभाल और परवरिश के चलते बालक अब स्वस्थ है और चलने के साथ-साथ दौड़ने भी लगा है। आश्रम के मंत्री युवराज सिंह ने बताया कि दत्तक ग्रहण से जुड़ी सभी प्रक्रियाएं गोपनीय रखी जाती हैं। गोद लेने वाले अभिभावकों के सभी दस्तावेज बाल संरक्षण अधिकारी कुलदीप सिंह द्वारा जांचे गए हैं और सही पाए जाने पर अंतिम गोदनामा प्रक्रिया जिलाधीश द्वारा पूरी की जाएगी। इस अवसर पर सुभाष सांगवान, रविंदर सिंह, राजरूप राठी, हवा सिंह राठी सहित कई लोग आश्रम पहुंचे और बालक के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

एमडीयू में सॉफ्ट स्किल्स कार्यक्रम 13 से 2 फरवरी तक

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर कार्यालय के अंतर्गत यूथ सेंटर फॉर स्किल डेवलपमेंट फॉर ऑल सर्विसेज द्वारा शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए सॉफ्ट स्किल्स एवं एसएसबी गाइडेंस कार्यक्रम के चौथे बैच का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम 13 जनवरी 2026 से 2 फरवरी 2026 तक आयोजित किया जाएगा।

परियोजना निदेशक प्रो. शालिनी सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम में एमडीयू एवं उससे संबद्ध महाविद्यालयों और संस्थानों के नियमित व पूर्व छात्र भाग ले सकते हैं। रिक्त सीटें उपलब्ध होने पर अन्य संस्थानों के छात्र भी इस कार्यक्रम का लाभ उठा सकेंगे। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिभागियों को सॉफ्ट स्किल्स, व्यक्तित्व विकास, मनोवैज्ञानिक तैयारी, ग्रुप टास्क, इंटरव्यू तकनीक तथा सेवा चयन बोर्ड से संबंधित मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण के लिए अनुभवी एवं योग्य संकाय सदस्यों के साथ-साथ मनोवैज्ञानिक, जीटीओ और सेवा चयन बोर्ड से सेवानिवृत्त इंटरव्यूइंग ऑफिसर अपनी सेवाएं देंगे।

Happy Birth Day

निलाक्षी
को जन्मदिन पर मम्मी पापा की ओर से शुभकामनाएं

सूचना

मैं, सन्तोष देवी पत्नी स्व. श्री अनिल कुमार निवासी गांव सुनारिया खुर्द जिला रोहतक बयान करती हूं कि मेरा पुत्र सुशील व पुत्रवधु दीपिका मेरे कहने-सुनने से बाहर हैं। इसलिये मैं इनको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करती हूं। इनसे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

प्राचीन शिव मंदिर में भारत माता की प्रतिमा का लोकार्पण

लोगों को धर्म से जोड़ने में मूर्ति पूजा का विशेष महत्व

- कलयुग में लोगों को धर्म से जोड़े रखने के उद्देश्य से मूर्ति पूजा का महत्व बढ़ा : इंद्रेश

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रोहतक

शहर के प्राचीन शिव मंदिर में बुधवार को भारत माता की प्रतिमा का लोकार्पण किया गया। यह प्रतिमा शिव मंदिर नीलकंठ समाज सेवा ट्रस्ट की ओर से स्थापित की गई है। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य इंद्रेश कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। संत समाज के कई प्रतिनिधियों ने भी समारोह में भाग लेकर श्रद्धालुओं को आशीर्वाद दिया। ट्रस्ट के प्रधान राजकमल सहगल ने बताया कि हरियाणा में यह पहली भारत माता की प्रतिमा है, जिसे जयपुर में तैयार करवाया गया है। प्रतिमा को मंदिर के मुख्य द्वार पर स्थापित किया गया है और विधिवत प्राण-प्रतिष्ठा की गई। आयोजन का उद्देश्य लोगों में राष्ट्रभक्ति की भावना को प्रोत्साहित करना और युवाओं को सनातन धर्म से जोड़ना बताया गया। उन्होंने यह भी कहा कि यद्यपि कुछ लोग मूर्ति को पत्थर मानते हैं, लेकिन आस्था के अनुसार मूर्ति देखने और सुनने की शक्ति रखती है।

रोहतक। भारत माता की प्रतिमा का लोकार्पण करते मुख्यअतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य इंद्रेश कुमार।

रोहतक में बनेगी भारत की विशाल प्रतिमा

समाजसेवी राजेश जैन ने जानकारी दी कि आने वाले 4 से 5 वर्षों में रोहतक में भारत की एक विशाल प्रतिमा स्थापित करने की योजना है। इसके लिए पत्थर चेन्नई से लाया जाएगा। यह प्रतिमा दिल्ली रोड पर स्थापित की जाएगी और इसे ऐतिहासिक पहचान दिलाने वाला प्रोजेक्ट बताया गया।

मूर्ति पूजा पर इंद्रेश कुमार का बयान

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए इंद्रेश कुमार ने कहा कि देव, त्रेता और द्वापर युग में मूर्ति पूजा नहीं थी, जबकि कलयुग के प्रारंभ में मूर्ति पूजा की परंपरा शुरू हुई। उन्होंने कहा कि सनातन परंपरा में ब्रह्मा, विष्णु और महेश को अजन्मा माना गया है। कलयुग में लोगों को धर्म से जोड़े रखने के उद्देश्य से मूर्ति पूजा का महत्व बढ़ा।

अंडर-19 राष्ट्रीय बास्केटबॉल में हरियाणा का शानदार प्रदर्शन

रोहतक। 69वीं अंडर-19 राष्ट्रीय लड़कों की बास्केटबॉल चैंपियनशिप का आयोजन 2 से 6 जनवरी तक बाड़मेर (राजस्थान) में किया गया, जिसमें हरियाणा की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक (सिल्वर मेडल) अपने नाम किया। इस उपलब्धि में रोहतक जिले के दो होनहार खिलाड़ियों आर्यन एवं सागर (कक्षा 12वीं) का अहम योगदान रहा, जिन्होंने प्रदेश के साथ-साथ जिले का भी नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया। मीडिया कोऑर्डिनेटर डॉ. जनक राज ने बताया कि लीग मुकाबलों में हरियाणा टीम का प्रदर्शन प्रभावशाली रहा। पहले मैच में हरियाणा ने आईबीएसओ को 72–36 से हराया, दूसरे मुकाबले में चंडीगढ़ को 81–72 से पराजित किया, जबकि तीसरे मैच में झारखंड पर 62–25 से एकतरफा जीत दर्ज की। प्री-क्वार्टर फाइनल में छत्तीसगढ़ को 82–38, क्वार्टर फाइनल में पश्चिम बंगाल को 79–38 से हराया। सेमीफाइनल में दिल्ली के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में हरियाणा ने 77–73 से जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश किया।

रोहतक। नेशनल स्तर पर हरियाणा का प्रतिनिधित्व करने वाले बास्केटबॉल खिलाड़ी सागर और आर्यन।

खबर संक्षेप

महम के नया बस स्टैंड चौक और गोहाना रोड पर गड्ढे बने मुसीबत

महम। कस्बा महम के नया बस स्टैंड चौक और क्रांति चौक से गोहाना रोड पर जगह जगह गहरे गड्ढे बने हुए हैं। इन गड्ढों की वजह से वाहन चालकों और यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई महीने से लोग परेशान हैं लेकिन पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे। स्थानीय वाहन चालक और यात्री लामबंद होने लगे हैं। किसी भी समय पीडब्यूडी रेस्ट हाऊस के सामने धरना प्रदर्शन कर सकते हैं।

कलानौर में एनएसएस शिविर का भव्य समापन

रोहतक। कलानौर राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा आयोजित विशेष शिविर का समापन समारोह गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। यह शिविर विद्यालय के प्राचार्य देवेंद्र कटारिया के कुशल मार्गदर्शन तथा एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मधु के प्रभावी नेतृत्व में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। समापन समारोह की मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी कलानौर सुनीता चहल रहीं।

व्यक्तित्व निखारने की विधियां बताई

महम। साक्षी मलिक राजकीय महाविद्यालय मोखरा में महिला प्रकोष्ठ के तत्वावधान में 6 व 7 जनवरी को दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का विषय था स्वयं को संवारना। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या मीनू नैन ने की। आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में शैक्षणिक ज्ञान के साथ-साथ व्यक्तित्व विकास और आत्म-प्रस्तुति का विशेष महत्व है। उन्होंने छात्राओं को आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी एवं सजग बनने के लिए प्रेरित किया।

नए नाटक सिडक्शन का मंचन 11 को

रोहतक। हरियाणा इंस्टीट्यूट ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स और कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग हरियाणा के संयुक्त तत्वाधान में एक नए नाटक सिडक्शन का मंचन रविवार 11 तारीख को दोपहर 3 बजे मानसरोवर पार्क के नजदीक सोनीपत रोड पर स्थित स्कॉलर्स रोजरी स्कूल के सभागार मे किया जाएगा। ये जानकारी देते हुए हरियाणा इंस्टीट्यूट ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स की महासचिव गुंजन वाधवा ने बताया कि ये एक रशियन नाटक है जिसके लेखक हैं विश्व विख्यात एंटन चेखोव और हिपा रोहतक के लिए इसका निर्देशन किया है। हरियाणा के वरिष्ठ रंगकर्मी विश्व दीपक त्रिखा ने जिन्हें लोग गधे की बरात के लिए बखूबी जानते हैं। नाटक में मंच पर दिखाई देंगे वरिष्ठ रंगकर्मी अविनाश सैनी, सुहासिनी दिघे और अभिषेक पांडे।

नगर निगम आयुक्त डॉ. शर्मा के निर्देशानुसार चलाया जा रहा अभियान

शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों व सार्वजनिक स्थलों पर कार्रवाई अतिक्रमण करने वालों पर लगाया जुर्माना, सामान किया जब्त

अभियान के तहत सोनीपत रोड, पुराना बस स्टैंड, भिवानी स्टैंड, छोटूराम चौक, मानसरोवर पार्क, डी-पार्क, मेडिकल मोड़, पावर हाउस, दिल्ली चौक सहित कई प्रमुख स्थानों से अतिक्रमण हटवाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने और यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा लगातार अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में नगर निगम आयुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा के निर्देशानुसार शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों और सार्वजनिक स्थलों पर कार्रवाई की जा रही है। अभियान के दौरान अतिक्रमण करने वालों की पहचान कर उनके चालान काटे जा रहे हैं, वहीं सड़क और फुटपाथ पर अवैध रूप से रखे गए सामान को जब्त भी किया जा रहा है। नगर निगम आयुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने बताया कि नगर निगम की एन्फोर्समेंट टीम द्वारा भू-अधिकारी संदीप बतरा की निगरानी तथा अतिक्रमण निरीक्षक गुरदेव सिंह की देखरेख में यह विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है।

कुल 38 अतिक्रमण करने वालों के काटे चालान

कार्रवाई के दौरान 16,300 रुपये का जुर्माना वसूला

ये सामान किया जब्त

नगर निगम की टीम ने सड़क किनारे, फुटपाथों और सार्वजनिक स्थलों पर लगाए गए फ्लैक्स, बोर्ड, बैनर और अन्य सामान को भी जब्त किया। अधिकारियों के अनुसार, इस प्रकार का अतिक्रमण न केवल यातायात को बाधित करता है, बल्कि राहगीरों और आम नागरिकों को भी भारी असुविधा का सामना करना पड़ता है। कई स्थानों पर दुकानदारों द्वारा अपनी दुकानों का सामान सड़कों पर फैला दिया जाता है, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका भी बढ़ जाती है।

कई बार दुकानदारों को समझाया

नगर निगम आयुक्त ने बताया कि अतिक्रमण को लेकर पूर्व में भी दुकानदारों और व्यापारियों से अपील की जा चुकी है कि वे स्वेच्छा से सार्वजनिक स्थानों पर किया गया अतिक्रमण हटा लें। इसके बावजूद कुछ लोग नियमों की अनदेखी करते हुए बार-बार सड़कों, फुटपाथों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर अवैध कब्जा कर लेते हैं। ऐसे मामलों में नगर निगम को मजबूरन सख्त कार्रवाई करनी पड़ती है, जिसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित व्यक्ति की स्वयं की होती है।

यातायात व्यवस्था हो रही प्रभावित

डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अतिक्रमण के कारण शहर की यातायात व्यवस्था प्रभावित होती है और आमजन को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसलिए किसी भी परिस्थिति में सार्वजनिक स्थलों पर अतिक्रमण स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि नगर निगम द्वारा भविष्य में भी इसी प्रकार के अतिक्रमण विरोधी अभियान नियमित रूप से चलाए जाएंगे और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। आयुक्त ने शहर के नागरिकों और व्यापारियों से पुनः अपील की कि वे प्रशासन का सहयोग करें, स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाएं और शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं व्यवस्थित बनाए रखने में अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

35 किमी क्षेत्र में बनेगा कंकरीट का बेड, रुकेगी पानी सीपेज

भिवानी सब ब्रांच 45 साल बाद फिर होगी पक्की, हजारों लोगों को फायदा

बीएसबी और इससे निकलने वाली नहरें और माइनर एक लाख एकड़ में करते सिंचाई

जींद, रोहतक, सोनीपत, चरखी-दादरी और भिवानी के लाखों लोगों को फायदा, रोहतक के 2, 000 से अधिक किसानों को मिलेगी राहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

सिंचाई विभाग भिवानी सब ब्रांच नहर को 45 साल बाद दोबारा पक्की करने जा रहा है। यह कार्य करीब एक साल में पूरा होगा। इसके पूरा होने पर रोहतक के करीब 7 गांवों के 2000 से अधिक किसानों को सीपेज की समस्या से हमेशा के लिए मुक्ति मिल जाएगी, क्योंकि सिंचाई विभाग जवाहरलाल नेहरू फीडर की तर्ज पर भिवानी सब ब्रांच का बेड भी कंकरीट,सीमेंट-लोहे से पक्का करेगा। ऐसा होने पर नहर के पानी का जमीन में रिसाव रुक जाएगा। ध्यान रहे कि भिवानी सब ब्रांच और इससे निकलने वाली दूसरी नहरें और माइनरों से तकरीबन एक लाख एकड़ भमि की सिंचाई होती है। इस नहर के बनने से रोहतक, जींद, सोनीपत, भिवानी और चरखी-दादरी के हजारों लोगों को फायदा होगा और उनकी पानी की जरूरतें पूरी होंगी।

एक साल में पूरा होगा काम

नहर को दोबारा पक्की करने के लिए वीरवार को टेंडर खोले जाएंगे। काम अलॉटमेंट के एक साल में पूरा होगा। इसके बाद 8-9 गांवों की नहर के साथ लगती जमीन को सीपेज से पूरी तरह से छुटकारा मिल जाएगा और फिर जमीन में पहले की तरह ही खेती होने लगेगी।

-अरूण मुंजाल
कार्यकारी अभियंता सिंचाई एवं जल

फाइल फोटो

इन गांवों को राहत

रोहतक के मदीना, अजायब, खरकड़ा, गिरावड़, बैंसी, लाखनमाजरा, नांदल, जींद जिले के पौली व हथवाला, सोनीपत के रिढाणा और धनाना गांव के जिन किसानों के खेत भिवानी सब ब्रांच (बीएसबी) के साथ दोनों ओर हैं, उन्हें बड़ी राहत मिलेगी। बताया जा रहा है कि इन गांवों के 2000 से अधिक किसान सीपेज की हजारों एकड़ जमीन काफी सालों से सीपेज की समस्या से जूझ रहे हैं।

84 क्यूसिक बढ़ेगी क्षमता

इस समय नहरी पानी की क्षमता 1150 क्यूसिक है। जब दोबारा से पक्की हो जाएगी तो कैपसिटी 1234 क्यूसिक हो जाएगी। इसका फायदा भिवानी और चरखीदादरी के किसानों को होगा। क्योंकि क्षमता बढ़ने भिवानी और चरखीदादरी के टेल के किसानों को उनके हक के मताबिक नहरी उपलब्ध होगा।

आज खुलेंगे टेंडर

रिढाणा हेड से लेकर खरकड़ा हेड तक नहर की लंबाई 35 किलोमीटर है। इस पर सरकार 70 करोड़ रुपये खर्च करेगी। काम किस फर्म को अलॉट होगा। इसके लिए 8 जनवरी गुरुवार को निविदाएं खोली जाएंगी। काम अलॉट करने में तकरीबन एक महीने का समय लगेगा। काम अलॉट होने के एक साल में प्रोजेक्ट को पूरा करना होगा। बताया जा रहा है कि वर्ष 1980 के आसपास को नहर को पहली बार पक्का किया गया था। अब इसके दोनों किनारे क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। जिससे नहर टूटने का खतरा बना रहता है। बताया जा रहा है कि वर्ष 1905 में अंग्रेजी शासनकाल में नहर का निर्माण करवाया गया था।

दिक्कत भी होगी

जिले में नहरों और बड़ी माइनरों के साथ लगती जमीन में पानी खेती के लायक है। इसलिए किसानों ने नहरों के साथ बिजली पंपसेट लगाए और जमीनी पाइप लाइनों से पानी को दूसरे खेतों में कई-कई किलोमीटर दूर तक सिंचाई के लिए ले गए, लेकिन अब जब भिवानी सब ब्रांच का बेड लोहे और सीमेंट से पक्का कर दिया जाएगा तो पानी की जमीन में सीपेज पूरी तरह से बंद हो जाएगी। जिससे ट्यूबवेलों का पानी धीरे-धीरे कम होगा और मीठा पानी खत्म होने की आशंका गहरा जाएगी। ध्यान रहे कि सीपेज के पानी के आधार पर ही किसानों ने नहरों के साथ ट्यूबवेल लगाए हुए हैं। साल 2023 में सिंचाई विभाग ने जवाहरलाल फीडर को दोबारा से पक्का करते हुए उसके बेड को कंकरीट से पक्का कर दिया गया। विभाग का दावा है कि अब पानी की सीपेज बंद हो गई है और फीडर के साथ लगती जमीन का भूजल स्तर कम होने लगा है।

समाजसेवी राजेश जैन ने स्वागत किया

संघ प्रचारक इंद्रेश भिवानी रोड स्थित आश्रम में पहुंचे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक इंद्रेश भिवानी रोड स्थित आश्रम में पहुंचे। महामंडलेश्वर राघवेन्द्र भारती ने महादेव और महामाई से इंद्रेश के लिए शुभमंगल कामना की। स्वामी शंकरानंद ने इंद्रेश का भव्य स्वागत किया। गुरु और इंद्रेश की धार्मिक, सामाजिक, राष्ट्र हित , नशा मुक्त भारत अभियान एवं स्वदेशी अपनाओ देश बचाओ जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहन चर्चा हुई। प्रसिद्ध समाजसेवी राजेश जैन ने इंद्रेश का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। कार्यक्रम में नीटू सुनारिया, चांद सरपंच मोखरा , अमर सरपंच कबूलपुर, सरवन सरपंच मोखरा रोज, सरपंच गद्दी खेड़ी , सरपंच जॉनी मोखरा खास , नीटू सरपंच मोखरा खाद्यान ,भोला सरपंच डोभ , गुलशन सचदेवा , दीपू नागपाल, निखिल अग्रवाल , हरीश खेड़ा आदि मौजूद रहे।

रोहतक। भिवानी रोड स्थित आश्रम में पहुंचे ने पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य इंद्रेश कुमार का स्वागत करते महामंडलेश्वर राघवेन्द्र भारती व प्रसिद्ध समाजसेवी राजेश जैन।

चौ. छोटूराम की 81वीं पुण्यतिथि पर जाट शिक्षण संस्था में हवन कल

रोहतक। जाट शिक्षण संस्था द्वारा दीनबंधु रहबर-ए-आजम सर छोटूराम की 81वीं पुण्यतिथि पर 9 जनवरी शनिवार को सुबह 9:30 बजे जाट स्कूल में स्थित समाधि स्थल पर हवन यज्ञ का आयोजन किया जाएगा। जाट शिक्षण संस्था के प्रधान गुलाब सिंह दिमाना ने बताया कि इस मौके पर जाट शिक्षण संस्थाओं के कॉलेजियम सदस्यों, पदाधिकारियों, कर्मचारियों सहित शहर के बुद्धिजीवी लोग हवन यज्ञ में आहुति डालकर चौ. छोटूराम को श्रद्धांजलि देंगे। उन्होंने अपील की कि चौधरी छोटूराम के प्रति श्रद्धा रखने वाले सभी प्रबुद्धजन इस हवन यज्ञ में पहुंचकर अपनी आहुति दें। प्रधान दिमाना ने कहा कि किसान मसीहा सर छोटू राम ने गरीब मजदूर और खेतिहर लोगों के लिए जो काम किये वह सदा याद रखे जाएंगे।

गुलाब सिंह दिमाना

चोरी की वारदात में शामिल आरोपी गिरफ्तार

रोहतक। पुलिस की टीम ने दुकान से सामान चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए इस मामले में शामिल एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी को अदालत में पेश कर दिया गया है, जबकि पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है। शहर के प्रभारी निरीक्षक रमेश कुमार ने बताया कि कलानौर निवासी महावीर की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। शिकायत के अनुसार महावीर की गद्दी खेड़ी रोड पर मोटर वाइंडिंग की दुकान है। 4 जनवरी को दोपहर के समय वह अपनी दुकान खुली छोड़कर कुछ समय के लिए मार्केट चला गया था। जब महावीर वापस लौटा तो दुकान से कॉपर स्क्रैप की दो रील, जिनका वजन करीब 20 किलोग्राम था, चोरी मिलीं। इसके बाद उसने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मामले की जांच मुख्य सिपाही संजय द्वारा की गई। जांच के दौरान एकत्र किए गए साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने 6 जनवरी को आरोपी योगेश निवासी श्याम कॉलोनी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी को अदालत में पेश कर दिया गया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी से पूछताछ की जा रही है और यह भी जांच की जा रही है कि कहीं वह अन्य चोरी की वारदातों में भी तो शामिल नहीं रहा।

- मोटर वाइंडिंग की दुकान से 20 किलो कॉपर स्क्रैप चोरी का खुलासा

खेल प्रतियोगिताओं का शेड्यूल जारी

रोहतक। मदवि के खेल निदेशालय द्वारा शैक्षणिक सत्र 2025-26 के अंतर्गत पेंचक सिलाट, सेपक टकरा तथा सॉफ्टबॉल (पुरुष एवं महिला वर्ग) की अंतर-महाविद्यालय खेल प्रतियोगिताओं का शेड्यूल जारी कर दिया है। खेल निदेशक डॉ. शकुंतला बेनीवाल ने बताया कि शेड्यूल के अनुसार पेंचक सिलाट (पुरुष एवं महिला वर्ग) प्रतियोगिता 12 से 13 जनवरी तक आयोजित होगी। सेपक टकरा (पुरुष एवं महिला वर्ग) प्रतियोगिता 14 से 15 जनवरी 2026 तक होगी तथा इसकी रिपोर्टिंग 14 जनवरी को सुबह 9 बजे की जाएगी। सॉफ्टबॉल (पुरुष वर्ग) की प्रतियोगिता 18 से 19 जनवरी 2026 तक तथा सॉफ्टबॉल (महिला वर्ग) की प्रतियोगिता 22 से 23 जनवरी तक आयोजित की जाएगी।

रजवाहा टूटने से झज्जर रोड पर बहा पानी, भैंसों के झुंड से हुआ कटाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

झज्जर रोड पर स्थित नहर से जलघर तक जाने वाला रजवाहा सोमवार दोपहर अचानक टूट गया, जिससे हजारों लीटर पानी सड़क पर बह गया। पानी बहने से यातायात भी प्रभावित हुआ। रजवाहे के सामने स्थित शिवाजी कॉलोनी थाना पुलिस ने तुरंत मामले की सूचना जनस्वास्थ्य विभाग को दी।

आमजन परेशान

सूचना मिलते ही जनस्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची और रजवाहे में हुए कट को बंद करने का कार्य शुरू किया। झज्जर रोड पर जेएलएन के पास से निकलने वाला यह रजवाहा नहर में पानी होने के कारण पूरी तरह भरा हुआ था। इसी दौरान अचानक रजवाहे में कटाव हो गया और पानी सड़क पर फैल गया। स्थानीय लोगों के अनुसार रजवाहे में भैंसों का एक झुंड उतर गया था। पानी का बहाव अधिक होने के कारण रजवाहे की पटरी में करीब पांच फुट का कटाव हो गया। कटाव के बाद चरवाहा भैंसों को लेकर मौके से फरार हो गया।

मिट्टी के कट्टों से की अस्थायी मरम्मत

जनस्वास्थ्य विभाग के एसडीओ अनिल रोहिला ने बताया कि सूचना मिलते ही विभाग की टीम मौके पर पहुंची। मिट्टी के कट्टे डालकर कटाव को रोका गया और बाद में मिट्टी डालकर रजवाहे की पटरी को दुरुस्त किया गया। स्थिति पर काबू पा लिया गया है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

माता दरवाजा पर हादसा : पैदल जा रहे थे राशन लेने

फॉर्च्यूनर ने बुजुर्ग को कुचला टक्कर के बाद चालक फरार

- कुछ लोगों ने गाड़ी की तस्वीरें ली जिन्हें पुलिस को उपलब्ध कराया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

शहर के व्यस्त माता दरवाजा चौक पर बुधवार को दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसे में 62 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई। पैदल जा रहे बुजुर्ग को तेज रफ्तार पंजाब नंबर की फॉर्च्यूनर गाड़ी ने टक्कर मार दी और चालक मौके से फरार हो गया। लोगों ने उसे तुरंत पीजीआई के ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया। पुरानी सब्जी मंडी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान बलबीर (62) निवासी कबीर कॉलोनी के रूप में हुई है। बलबीर रोजमर्रा की तरह पैदल ही घर से निकले थे। वह दोपहर करीब ढाई बजे सरकारी डिपो से राशन लेने के लिए निकले थे। इसी दौरान माता दरवाजा चौक पर पीछे से आई फॉर्च्यूनर ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बुजुर्ग सड़क पर गिर पड़े और गाड़ी उन्हें कुचलते हुए आगे निकल गई। परिजन सदमे में हैं और उन्होंने चालक की गिरफ्तारी की मांग की है। कुछ लोगों ने गाड़ी की तस्वीरें ली जिसे पुलिस को उपलब्ध कराया है।

हादसे के बाद मौके पर जांच करते पुलिस अधिकारी और सीसीटीवी फुटेज।

हिट एंड रन का मामला

पुलिस प्राथमिक जांच में इसे हिट एंड रन का मामला मान रही है। वाहन का पंजाब नंबर होना सामने आया है, जिसके आधार पर संबंधित जिलों में भी सूचना भेजी जा रही है। जल्द ही वाहन को ट्रेस कर लिया जाएगा।

चालक की तलाश जारी

माता दरवाजा चौक पर सड़क हादसे की सूचना मिली थी। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। मृतक के परिजनों के बयान दर्ज कर मामला दर्ज किया जाएगा और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर फरार चालक की तलाश की जा रही है।

-सुशील कुमार, थाना प्रभारी, पुरानी सब्जी मंडी

हादसे के बाद राहगीरों ने दिखाई इंसानियत

हादसे के तुरंत बाद मौके पर मौजूद राहगीरों ने घायल बुजुर्ग को सड़क से उठाया और निजी साधनों से पीजीआई के ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया। हालांकि, इलाज शुरू होने से पहले ही डॉक्टरों ने बलबीर को मृत घोषित कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि यदि चालक समय रहते वाहन रोककर मदद करता, तो शायद स्थिति कुछ और हो सकती थी।

असीम घोष से मिले कुलपति राजबीर सिंह

मदवि की प्रगति यात्रा से गवर्नर को कराया अवगत

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने हरियाणा के राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. असीम कुमार घोष से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर कुलपति ने कुलाधिपति को विश्वविद्यालय की प्रगति एवं विकास-यात्रा से अवगत कराया। कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने बताया कि उन्होंने सात वर्ष की सेवाएं बतौर कुलपति दी हैं। पिछले सात वर्षों के दौरान एमडीयू ने शैक्षणिक गुणवत्ता, प्रशासनिक दक्षता तथा नवाचार आधारित पहलों के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने बताया कि हाल ही में हरियाणा राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद द्वारा नई शिक्षा नीति (एनईपी) के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु विश्वविद्यालय को 'गोल्ड कैटेगरी' पुरस्कार से सम्मानित किया गया है, जो टीम एमडीयू के सतत प्रयासों और सुधारात्मक पहलों का प्रमाण है। कुलपति ने विश्वविद्यालय में खेल सुविधाओं के विकास की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का भी उल्लेख किया।

जानकारी साझा की

कुलपति ने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश के पांच विश्वविद्यालयों हेतु खेल ढांचे के विकास की घोषणा के अनुरूप एमडीयू ने अपना प्रस्ताव प्रस्तुत कर दिया है तथा विवि परिसर में लगभग एक करोड़ रुपये की लागत से खेल सुविधाओं का विकास किया जाएगा। इससे विद्यार्थियों को बेहतर खेल अधोसंरचना तथा प्रशिक्षण के अवसर मिलेंगे। कुलपति ने विश्वविद्यालय में शिक्षकों की कमी को दूर करने हेतु चल रही भर्ती प्रक्रिया की प्रगति के बारे में भी जानकारी साझा की। कुलाधिपति घोष ने विवि की उपलब्धियों और विकासोन्मुख पहलों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कुलपति एवं विवि टीम के प्रयासों की सराहना की।

माडौदी मॉडल गांव के रूप में विकसित होगा

रोहतक। माडौदी जाटान को किसानों के आर्थिक स्तर को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से मॉडल गांव के रूप में विकसित किया जाएगा। इसकी कार्य योजना तैयार करने के उद्देश्य से बुधवार को संबंधित विभागों के अधिकारियों ने किसानों के साथ बैठक की। इसमें जिला बागवानी अधिकारी डॉ. मदन लाल ने विभाग द्वारा चलाई जा रही विभिन्न लाभकारी योजनाओं की जानकारी दी। वहीं किसानों ने चल रही योजनाओं में अनुदान राशि बढ़ाने का अनुरोध किया। जिला मत्स्य अधिकारी आशा हुड्डा अहलावत ने मत्स्य विभाग की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

किसान फसल चक्र को अपनाएं

बैठक में कृषि विभाग, पशुपालन एवं डेयरी विभाग, मत्स्य विभाग, उद्यान विभाग सहित रोहतक के विभिन्न विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उप कृषि निदेशक डॉ. सुरेंद्र मलिक ने कृषि विभाग द्वारा गांव में अपनाए जा रहे फसल चक्र, फसलों की प्रमुख क्रियाओं तथा किसानों द्वारा अपनाई जा रही कृषि पद्धतियों पर जानकारी साझा की गई। मलिक ने किसानों ने अधिकारियों को अवगत कराया कि गांव में जल स्तर अधिक होने के कारण फसलें बार-बार खराब हो जाती हैं।